जाती है और बचत दर कम हो जाती है जिससे पूंजी निर्माण दर निम्न हो जाता है। उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि पुरानी तकनीकी रहने पर श्रम का औसत उत्पादकता तुलनात्मक रूप में कम हो जाती है।

7. हीनार्थ प्रबन्धन (Deficit Financing)

अर्द्धविकसित देशों में पूंजी की प्राप्ति के लिए हीनार्थ प्रबन्धन किया जाता है। प्रथम चरण में हीनार्थ प्रबन्धन आर्थिक समृद्धि पर अनुकूल प्रभाव डालता है किन्तु कुछ समय के बाद हीनार्थ प्रबन्धन स्फीतिकारी (Inflationary) हो जाता है जिससे लोगों को अपनी आय का अधिकांश भाग वस्तुओं एवं सेवाओं को क्रय करने में व्यय हो जाता है और बचत दर निम्न हो जाती है जिससे पूंजी निर्माण दर निम्न हो जाता है।

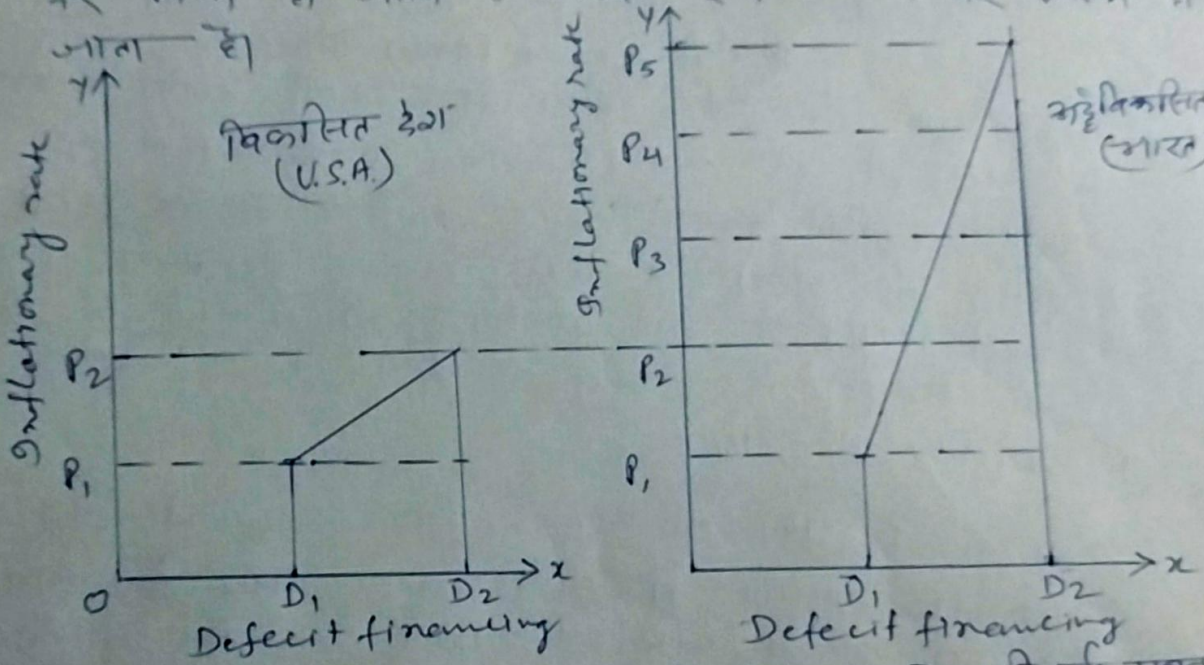

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि D_1D_2 हीनार्थ प्रबन्धन विकसित देश की तुलना करने पर भी अर्द्धविकसीत देश में तेजी से मुद्रास्फीति दर में वृद्धि होती है जो पूंजी निर्माण दर को निम्न बना देती है।

8. उद्यमी का अभाव

अर्द्धविकसित देशों में उद्यमी की संख्या कम रहती है जिससे विनियोग कम हो जाता है और पूंजी निर्माण दर भी निम्न हो जाता है। उद्यमी की कमी के कारण

तकनीकी विस्तार दर भी निम्न हो जाता है जिससे निम्न निवेश एवं उत्पादन का कारण है।

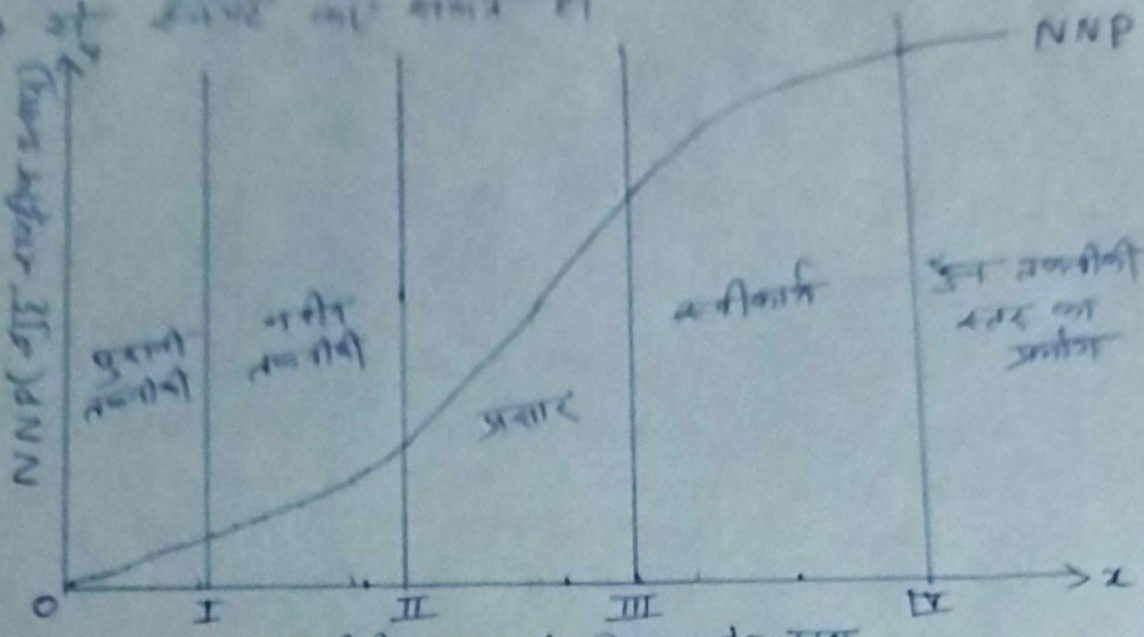

तकनीकी स्तर के विकास के चरण

अर्द्धविकसित देशों के अधिकांश उद्यमी नवीन आविष्कार के चरण में ही अधिक समय लगाते है। तब कुछ उद्यमी नवीन तकनीकी का प्रसार करते है। किन्तु उद्यमी के अभाव के कारण तकनीकी विस्तार दर निम्न रहता है और जिससे NNP में तेजी से वृद्धि नहीं हो पाती है और पूंजी निर्माण दर निम्न रह जाता है।

9. <u>आर्थिक पिछड़ापन</u>

आर्थिक पिछड़ापन का अर्थ है निम्न स्तर की श्रम की कार्यक्षमता, साधनों की अगतिशीलता, व्यापार एवं काम में सीमित विशिष्टीकरण, आर्थिक अज्ञानता, सामाजिक ढाँचा आदि तत्व सम्मिलित होकर अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न करते है जिससे आय एवं बचत का स्तर निम्न हो जाता है फलस्वरूप पूंजी निर्माण दर निम्न हो जाता है।

पूंजी निर्माण दर तीव्र करने के तरीके

अर्द्धविकसित देशों में पूंजी निर्माण दर तीव्र करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए —

1. बचत को प्रोत्साहित करना

अर्द्धविकसित देश में बचत को प्रोत्साहित करने के लिए ऊँची ब्याज दर वाले बॉण्ड को बेचा जाना चाहिए। प्रदर्शन प्रभाव को कम कर बचत के गुण को जनता के बीच समझाया जाना चाहिए।

2. बचत को विनियोग में बदलना

अर्द्धविकसित देशों में उद्यमी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि वे बैंक से ऋण लेकर बचत को विनियोग में बदल दें। जितना अधिक विनियोग होगा, पूंजी निर्माण दर उतना ही तीव्र होगा।

3. Disguised unemployment को बचत संभावना में बदलना

इंगनर नर्क्से के अनुसार "Disguised unemployment वस्तुतः छिपी हुई बचत संभावना को दर्शाती है" अर्थात् Disguised unemployment को रोजगार में बदला जायेगा आय बढ़ेगी, बचत बढ़ेगी और इसके फलस्वरूप देश में पूंजी निर्माण दर में वृद्धि होगी।

4. बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं का विस्तार

देश में बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं के शाखाओं में विस्तार किया जाना चाहिए जिससे बचत में वृद्धि होगी फलस्वरूप विनियोग के साथ पूंजी निर्माण दर में वृद्धि होगी।

5. जनसंख्या के तीव्र वृद्धि पर रोक

पूंजी निर्माण दर में वृद्धि करने के लिए जनसंख्या को नियंत्रण में लाना आवश्यक है जैसे ही परिवार का आकार घटेगा तथा बचत की संभावनाएं बढ़ेगी पूंजी निर्माण दर तीव्र होगा।

—x—

Dr Sandhya Rani
Dept of Economics
Maharaja College
Id - ranisandhya1410@gmail.com
ranisandhya1410@gmail.com